वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 96 | गुरुवार 3 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बीजेपी के सचिवालय घेराव पर हाई कोर्ट का स्वप्रेरित प्रसंज्ञान

शहर जाम को लेकर हाई कोर्ट सख्त, कहा- क्यों ना अनुमति देने वाले अधिकारियों पर दर्ज की जाए FIR

जयपुर. कासं। मंगलवार को बीजेपी के सचिवालय घेराव कार्यक्रम के दौरान शहर में जाम की स्थिति बन गई थी। जाम में वाहन चालकों के साथ-साथ स्कूली बच्चें भी फंस गए थे। जिसके बाद आज हाई कोर्ट ने पूरे मामलें में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए नाराजगी जताई। जस्टिस समीर जैन की अदालत ने पूरे मामलें में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए कहा कि क्यों ना अदालती आदेश की अवमानना करने पर रैली की अनुमति देने वाले अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करवाई जाए। सुनवाई के दौरान जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के आलाधिकारी मौजूद रहे। सरकार की ओर से पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता मेजर आरपी सिंह ने कहा कि हमने साल 2018 के जस्टिस एमएन भंडारी के जजमेंट के आधार पर ही रैली की अनुमति दी थी। लेकिन कोर्ट इससे संतुष्ट नहीं हुआ। कोर्ट ने सरकार को कल सुबह इस मामलें में जवाब पेश करने का समय दिया हैं। गुरुवार को एक बार फिर अदालत इस मामलें में सुनवाई करेगी।

परमिशन दी तो ट्रैफिक की वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की?

हाई कोर्ट ने पूरे मामलें में नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर पुलिस ने रैली की परमिशन दे दी थी तो फिर ट्रैफिक की वैकल्पिक

व्यवस्था क्यों नहीं की? सड़कों पर जाम क्यों लगा। पब्लिक को क्यों परेशानी हुई। इसका ख्याल भी रखा जाना चाहिए था। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट अपने 2020 के आदेश में साफ कर चुका है कि राजनीतिक रैलियों के चलते किसी भी हाल में सड़कों को जाम नहीं किया जा सकता हैं। अगर धरने-प्रदर्शन की अनुमति देनी भी है तो शहर के बाहर दी जाए। जिससे आमजन को कम से कम परेशानी हो। कोर्ट ने सरकार से कहा है कि वह गुरुवार तक बताए कि किस आधार पर सरकार ने स्टेच्यू सर्किल तक रैली की अनुमति दी।

सुनवाई के दौरान यह अधिकारी रहे मौजूद

सुनवाई के दौरान एडिश्नल पुलिस कमिश्नर राहुल प्रकाश, डीसीपी ट्रैफिक प्रहलाद कृष्णियां, डीसीपी साउथ योगेश गोयल और आईपीएस कुंवर राष्ट्रदीप सहित कमिश्नरेट के अन्य अधिकारी आज सुनवाई के दौरान मौजूद रहे।

लाल डायरी पर हंगामा, विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

5 बिल पास; राठौड़ बोले- सदन में डायरी छीनना गलत, डोटासरा ने कहा- आपकी मिलीजुली नूरा-कुश्ती थी

जयपुर. कासं

लाल डायरी और बीजेपी विधायक मदन दिलावर के निलंबन के मुद्दे पर विधानसभा में शून्य काल के दौरान भाजपा विधायकों ने हंगामा किया। नेता प्रतिपक्ष के लाल डायरी का जिक्र करते ही हंगामा हो गया। हंगामा के कारण दो बार स्पीकर को सदन की कार्यवाही आधे-आधे घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। तीसरी बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। पहली बार 12 बजकर 9 मिनट और दूसरी बार 1 बजकर 3 मिनट पर सदन की कार्यवाही को आधे-आधे घंटे के लिए स्थगित किया गया। बीजेपी विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी की। 1:33 बजे तीसरी बार सदन जुटने के बाद भी बीजेपी विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी जारी रखी। बीजेपी विधायकों के हंगामा करने और नारेबाजी के बीच सदन में महज 23 मिनट में 5 बिल पारित कर दिए गए। पांच बिल पारित करने के बाद सदन की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। मौजूदा 15वीं विधानसभा की

कार्यवाही का आज आखिरी दिन था। इसके बाद अब नई सरकार बनने के बाद ही जनवरी में सत्र बुलाया जाएगा। इससे पहले हंगामे की शुरूआत नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के स्थगन प्रस्ताव से मामला उठाने के दौरान लाल डायरी का जिक्र करने पर हुई। राजेंद्र राठौड़ ने बीजेपी विधायक मदन दिलावर के निलंबन को वापस लेने की मांग करते हुए लाल डायरी से उठ रहे सवालों का जिक्र किया। लाल डायरी छीनने का आरोप लगाया तो हंगामा हो गया। जलदाय मंत्री महेश जोशी, संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राठौड़ के मामला उठाते ही कड़ी आपत्ति की।

राठौड़ बोले-लाल डायरी छीन कर ले जाना गलत

राजेंद्र राठौड़ ने कहा- आज भी कुछ अनुत्तरित सवाल आ जाते हैं और उसमें सदन की गरिमा का सवाल भी उठ जाता है। सत्ता पक्ष की गरिमा का सवाल भी उठ जाता है। सत्ता पक्ष का सदस्य लाल डायरी टेबल करना चाहता है। उसे छीन कर ले जाया जाता है। यह भी उचित नहीं है। राठौड़ के लाल डायरी छीनने का जिक्र करते ही जलदाय मंत्री महेश जोशी ने कहा- यह झूठ बोलने की हाइट है। यह ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बन गई है, बीजेपी के झूठ बोलने की। कौन-सी लाल डायरी थी। किसने छीना? यह गलत बात है। लगातार झूठ बोल रहे हैं। संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने कहा- टेबल करने के भी प्रोसेस तय हैं। धारीवाल ने अपनी टेबल की तरफ इशारा करते हुए कहा- टेबल यहां होती है या वहां होती है? टेबल कहां किया जाता है। बीजेपी गलत रोल प्ले कर रही है। इसमें शुरू से ही मिलीभगत की बू आ रही है। डोटासरा ने कहा- बीजेपी अपने कृत्य के लिए माफी मांगे। राजेंद्र राठौड़ ने स्थगन प्रस्ताव के जरिए मामला उठाते हुए कहा- 21 जुलाई को जब मणिपुर की घटना के जिक्र पर हम एनसीआरबी के आंकड़ों पर बात करते हुए सरकार से जवाब मांग रहे थे। उसी समय तत्कालीन राज्यमंत्री उठे। उन्होंने राजस्थान की आज की स्थिति में महिलाओं के रेप को लेकर सरकार पर लानत देते हुए कहा- हालत ठीक नहीं है। आपने उनको बर्खास्त किया, यह आपका मामला है।

हरि पर्वत आगरा में चल रही है प्रतिदिन धर्म सभा

आगरा. शाबाश इंडिया। बड़ो की विफलता पर छोटों को बहुत खुशी होती है ।बड़े सफलता नहीं हो रहे इस खबर को सुनकर छोटे नाच उठते हैं उन्हें अपनी सफलता की चिंता नहीं रहती छोटों की खुशी नई बात नहीं है होता है सभी बड़ों को सफल होता देखना चाहते हैं लेकिन जो नाचने की खुशी है ये किसी और बात का संकेत दे रही है छोटे अपनी सफलता के लिए प्रयास नहीं कर रहे बड़ों की विफलता में सुख ढूंड रहें हैं यही गलती है इस पंचम काल में बड़ो को भी सफलता नहीं मिलेगी लेकिन ये राह ही आगे राज पथ वनने वाला है पंचम काल के गंधे होकर भी हमें कुछ समझ में आ गया बड़े बड़े महाराज की बात में समझ में नहीं आईं लेकिन शिवभूति महाराज को सुपा फटकने वाली मां जी को देखकर भेद विज्ञान हो।ये आवश्यक नहीं है कि जब कोई बड़े महाराज समझायेंगे तब समझें छोटे महाराज ने बताया और आप समझ गये उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने हरिपर्वत आगरा में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि आगरा श्रावक संस्कार शिविर के पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य मोठया परिवार को मिला आज मुनि पुंगव श्रीसुधा सागर जी महाराज ने धर्म सभा में कहा कि श्रावक संस्कार शिविर में वे कार्यकर्ता काम संभाले जिन्होंने कभी कोई समाज में काम नहीं किया जो पहली बार अपनी सेवाएं देना चाहते हैं जो वर्षों से काम में लगे हैं वे आराम करें प्रवचनों का लाभ लें।

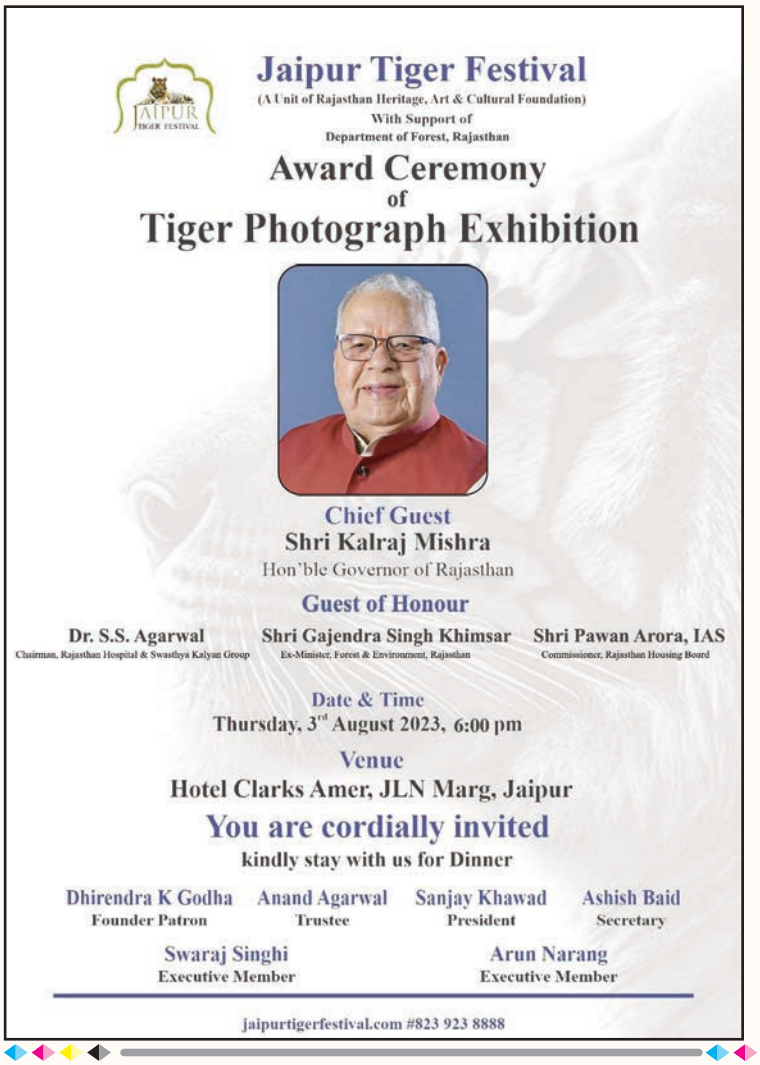

भास्कर फाउंडेशन कुदन द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। भास्कर फाउंडेशन कुदन के तत्वावधान में शेखावाटी स्कूल कुदन में महीपाल भास्कर व पुनम भास्कर की 11वी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मेडिकल टीम शेखावाटी चेरीटेबल ब्लड बैंक व राजकीय श्री कल्याण मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक के सानिध्य में रखा गया। सबसे बड़ी खास बात यह भी रही कि सभी उम्र के लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता देखी गई। खासकर नारी शक्ति कार्यक्रम में महंत पालवास चन्द्रमा दास व उपजिला प्रमुख ताराचंद धायल व रक्तविर बी एल मील ने बताया कि सभी युवाओं को रक्त दान करना चाहिए रक्तदान महादान होता है। इससे किसी की जान बचाई जा सकती है शेखावाटी में रक्तदान के प्रति बहुत जागरूकता है कार्यक्रम में अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे जिन्होंने रक्त दाताओं का उत्साह वर्धन किया जिनमें महाराज चन्द्रमा दास महंत पालवास व पूर्व विधायक फतेहपुर नंदकिशोर महरिया भाजपा नेता हरिराम रणवा उप प्रमुख ताराचंद धायल युवा कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश झीगर भुमि विकास बैंक चेयरमैन कैलाश तिवाड़ी चिरंजीलाल महरिया आर टी ओ देवेन्द्र सुंडा कुदन सरपंच प्रतिनिधि सुलतान सुंडा दौलतपुरा सरपंच दिनेश आर्य जेपी थोरासी पुरणमल चाचा संजय करषणीया महेंद्र सुडा कुंडली सरपंच प्रभु जी ओला ताराचंद भूकर ताराचंद मुंड डा दिनेश नेहरा रक्तविर बी एल मील पर्यावरण प्रेमी सरवण कुमार जाखड़ विकास झाझडिया राजु भूकर जगदीश फौजी उपस्थित रहे। महाराज चन्द्रमा दास पालवास को शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया गया। भास्कर फाउंडेशन कुदन के बसंत भास्कर ने बताया कि हम अपने भाई व बहिन की पुण्य स्मृति में हर साल रक्तदान शिविर आयोजित कर के उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। शिविर में 150 युनिट एकत्रित हुआ। संस्थान के संरक्षक सुलतान जी भास्कर ने रक्तदाताओं को एक पौधा व प्रशंशा पत्र प्रदान किया गया। तथा रक्तदान में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

मिसेज कॉन्फिडेंट और अब मिसेज इंडिया क्वीन बनी हरियाली सिंह

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर में आयोजित मिसेज इंडिया क्वीन के भव्य ग्रैंड फिनाले का आयोजन जयपुर के संडे होटल सी- स्कीम में हुआ जिसमें हरियाली सिंह को मिसेज इंडिया क्वीन का क्राउन पहनाया गया। हरियाली सिंह इससे पहले भी ऐसे मिसेज इंडिया आयोजनों में भाग ले चुकी है पहले भी इन्होंने मिसेज कॉन्फिडेंट का क्राउन जीता था। हरियाली सिंह एक फैशन स्टईलिसट व एक अच्छी अभिनेत्री भी है इस प्रकार के कार्यक्रमों में अपना योगदान देती रहती है। चाहे वह सामाजिक सेवा से जुड़ा हो ।

विज्ञा तीर्थ स्थल पर आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का अवतरण महोत्सव धूमधाम से मनाया

सेकडों महिलाओं एवं पुरुषों ने किया भगवान शांतिनाथ का अनुष्ठान

विमल जोला. शाबाश इंडिया

गुंसी, निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज विज्ञा तीर्थ कमेटी के तत्वावधान में गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में सहस्त्रकूट जिनालय गुन्सी मे आयोजित कार्यक्रम में शांतिनाथ मण्डल विधान किया गया। जिसमें भगवान शांतिनाथ की विशेष पूजा अर्चना कर अनुष्ठान संपन्न किया। सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ के प्रचार संयोजक विमल जौंला ने बताया कि पण्डित विमल कुमार बनेठा के निर्देशन मे एवं आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के मुखारविंद मंत्रोच्चार द्वारा भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा कर अभिषेक कार्यक्रम करवाया गया। जौंला ने बताया कि शांति मण्डल विधान के सोधर्म इन्द्र लल्लू लाल ओमप्रकाश जैन ललवाड़ी एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य इन्द्रकुमार जैन परिवार को मिला। विधान मे 120 श्री फल अर्ध्य संगीत के साथ समर्पित किए। जौंला ने बताया कि आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में भोजनामृत भोजनशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल ने किया। जिसके पुण्यार्जक मेवादेवी, अशोक जैन अमित जैन अनिता जैन सीनू जैन सोगानी परिवार चाकसू को सौभाग्य मिला। जौंला ने बताया कि अवतरण दिवस के मौके पर माताजी को पिच्छिका भेंट अनिल जैन पांडया बनेठा परिवार को एवं कमण्डल भेंट करने का सौभाग्य राजेन्द्र कुमार दिलिप कुमार जैन बगडी. को मिला। इस दौरान पाद प्रक्षालन करने का सोभाग्य राजेन्द्र कुमार निर्मल कुमार जैन किशनगढ़ को एवं शास्त्र भेंट ओमप्रकाश जैन कठमाणा मिला। वस्त्र भेंट करने का सोभाग्य केलाश चन्द राजेन्द्र कुमार जैन को मिला। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत विशुद्ध वर्धनी महिला मण्डल के मंगलाचरण से हुई। कार्यक्रम में गणाचार्य विराग सागर महाराज की तस्वीर का लोकार्पण कर पूजा अर्चना की जिसमे महिलाओं द्वारा विज्ञाश्री माताजी की संगीत के साथ पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किया। कार्यक्रम का संचालन महावीर प्रसाद पराणा ने किया। इस

अवसर पर माताजी ने सभी भक्तों को भरपूर आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल जैन बनेठा, विजय गंगवाल, नरेश जैन बनेठा, अजय गंगवाल, विष्णु बोहरा, हितेश छाबड़ा, महेश मोठूका, महेन्द्र चंवरिया, सुनील भाणजा, महावीर प्रसाद छाबड़ा, दिनेश चंवरिया, बंटी झांझरी, महेन्द्र भाणजा, विमल सोगानी, योगेन्द्र झिलाय सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

जयपुर मेन ग्रुप का मानव सेवार्थ कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित मानव सेवार्थ पखवाड़ा के अंतर्गत दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के द्वारा आज जयपुर के गणगौरी बाजार स्थित राजस्थान नेत्रहीन कल्याण संघ में छात्रों को दोपहर का भोजन कराया गया। इस अवसर पर रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, सचिव एवं पूर्व अध्यक्ष निर्मल संघी, जयपुर मेन ग्रुप के सचिव महेंद्र मंजुलता छाबड़ा, डॉ. णमोकार जैन, राजेंद्र पापड़ीवाल आदि महानुभाव उपस्थित थे। केंद्र में करीब 120 छात्र हैं, तथा व्यवस्था बहुत ही सुंदर है।

विशाल नेत्र परीक्षण एवं हेल्थ चेकअप शिविर आयोजित

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। वैश्य महासम्मेलन मकरोनिया सागर द्वारा विशाल नेत्र परीक्षण शिविर में 105 रोगियों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया। वैश्य महासम्मेलन मकरोनिया, सागर एवं लायंस क्लब सागर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन स्नेहभवन, अंकुर कॉलोनी, मकरोनिया में किया गया। जिसके मुख्य अतिथि नितेश गुप्ता जिला अध्यक्ष वैश्य महासम्मेलन सागर एवं विशिष्ट अतिथि गुलझारीलाल जैन वरिष्ठ समाजसेवी सह चेयरमैन फास्ट आईएएस अकादमी सागर थे। सबसे पहले मां सरस्वती की वंदना एवं पूजन कर दीप प्रज्वलन किया गया। इसके पश्चात विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। शिविर का प्रारंभ आज के मुख्य अतिथि नितेश गुप्ता द्वारा किया गया। सुरेश जैन बीज निगम अध्यक्ष वैश्य महासम्मेलन मकरोनिया नगर ने बताया कि डॉ दीपक सिह एवं उनकी टीम के द्वारा 221 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया जाकर 105 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु चयनित किया, जिन्हें सतगुरु सेवा संस्थान संकल्प ट्रस्ट आनंदपुर लटेरी में मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु भेजा गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी 221 मरीजों का डॉ. द्वारा शुगर एवं ब्लड प्रेशर की भी निशुल्क जांच की गई, साथ ही पिछले महीने हुए सभी सफल ऑपरेशन वालों को निशुल्क चश्मो का वितरण मुख्य अतिथि द्वारा किया गया।

वेद ज्ञान

वास्तविक ज्ञान

भगवान श्रीकृष्ण के संदेश को मानने वाला व्यक्ति जातियों या योनियों में भेद नहीं मानता। मनुष्य-मनुष्य के मध्य भिन्नताएं हो सकती हैं। योनि के अनुसार कुत्ता, गाय और हाथी भिन्न हो सकते हैं, किंतु विद्वान योगी की दृष्टि में ये शरीरगत भेद अर्थहीन होते हैं। इसका कारण परमेश्वर से उनका संबंध है और परमेश्वर हरेक के हृदय में स्थित हैं। परमसत्य का ऐसा ज्ञान वास्तविक ज्ञान है। जहां तक विभिन्न जातियों या विभिन्न योनियों के मध्य शरीर का संबंध है, भगवान सभी लोगों पर समान रूप से दयालु है। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह प्रत्येक जीव को अपना मित्र मानते हैं। फिर भी जीवों की समस्त परिस्थितियों में वह अपना परमात्म स्वरूप बनाए रखते हैं। परमात्मा रूप में भगवान चांडाल और ज्ञानी व्यक्ति इन दोनों में ही उपस्थित रहते हैं। हालांकि इन दोनों के शरीर एक से नहीं होते। शरीर तो प्रकृति के गुणों द्वारा उत्पन्न हुए हैं, किंतु शरीर के भीतर आत्मा और परमात्मा समान आध्यात्मिक गुण वाले हैं, परंतु आत्मा और परमात्मा की यह समानता उन्हें मात्रात्मक दृष्टि से समान नहीं बनाती। ऐसा इसलिए, क्योंकि व्यष्टि आत्मा किसी विशेष शरीर में उपस्थित होता है, किंतु परमात्मा प्रत्येक शरीर में है। कृष्णभावना से भावित व्यक्ति को इसका पूर्णज्ञान होता है इसीलिए वह सचमुच ही विद्वान और समदर्शी होता है। आत्मा और परमात्मा के लक्षण समान हैं। परमात्मा बिना किसी भेदभाव के सभी शरीरों में विद्यमान है। मानसिक रूप से समतामूलक विचार आत्म-साक्षात्कार का लक्षण है। जिन लोगों ने ऐसी अवस्था प्राप्त कर ली है तो उन्हें भौतिक बंधनों पर विजय प्राप्त किया हुआ मानना चाहिए। जब तक मनुष्य शरीर को आत्मस्वरूप मानता है, वह बंधन में रहने वाला जीव माना जाता है, किंतु ज्यों ही वह आत्म-साक्षात्कार द्वारा समचित्तता की अवस्था को प्राप्त कर लेता है, वह बंधन से मुक्त हो जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो उसे इस भौतिक जगत में जन्म नहीं लेना पड़ता, बल्कि अपनी मृत्यु के बाद वह आध्यात्मिक लोक को जाता है। भगवान निर्दोष हैं, क्योंकि वे आसक्ति और घृणा से रहित हैं। इसी प्रकार जब जीव आसक्ति या घृणा से रहित होता है तो वह भी निर्दोष बन जाता है और समस्त प्रकार के बंधनों से मुक्त हो जाता है।

संपादकीय

संविधान के प्रति भरोसा पैदा करना बहुत जरूरी

मणिपुर मामले में एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए केंद्र और राज्य सरकार से स्थिति रिपोर्ट मांगी है। उसने कुछ कड़े सवाल किए हैं, जिनका जवाब देना राज्य प्रशासन के लिए आसान नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि जो खो गया, वह खो गया, मगर अभी सवाल लोगों में विश्वास बहाली का है। इसके लिए सरकार क्या कर रही है, उसका ब्योरा दे। मामला केवल दो महिलाओं का नहीं है, ऐसी अनेक महिलाओं का वहां उत्पीड़न हुआ है, उनका क्या विवरण है। उन दो महिलाओं की प्राथमिकी दर्ज करने में चौदह दिन क्यों लग गए, जिन्हें निर्वस्त्र करके घुमाने का वीडियो प्रसारित हुआ और प्रशासन तभी हरकत में क्यों आया, जब वह वीडियो प्रसारित हो गया। सरकार की तरफ से पेश वकील ने कहा कि छह हजार प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं, तब अदालत ने पूछा कि उनमें से कितनी प्राथमिकियां महिलाओं के साथ हुए अत्याचारों से जुड़ी हैं। इसका कोई स्पष्ट उत्तर सरकार के पास नहीं था। हालांकि दोनों महिलाओं से जुड़े मामले की जांच सीबीआइ ने अपने हाथ में ले ली है, मगर सर्वोच्च न्यायालय मणिपुर में हुई ऐसी तमाम घटनाओं की जांच के पक्ष में है और वह इसके लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित करने पर विचार कर रहा है। केंद्र सरकार ने कहा है कि अगर सर्वोच्च न्यायालय अपनी निगरानी में जांच कराना चाहता है, तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। मणिपुर का मामला दरअसल, राज्य सरकार की लापरवाही और फिर केंद्र सरकार की शिथिलता का नतीजा है। अगर सरकारों ने इस मामले पर काबू पाने की कोशिश की होती, तो कोई कारण नहीं कि यह इतने लंबे समय तक चलता रहता और वहां करीब दो सौ लोगों की जान चली जाती, हजारों लोगों को बेघर जिंदगी गुजारने पर मजबूर होना पड़ता। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह मत कहिए कि वहां एक समुदाय के खिलाफ हिंसा हुई, संदेश यह जाना चाहिए कि वहां एक भी समुदाय के खिलाफ हिंसा से कड़ाई से निपटा जाएगा। लोगों में संविधान के प्रति भरोसा पैदा करना बहुत जरूरी है। दरअसल, मणिपुर में पिछले करीब तीन महीने से हिंसा और आगजनी की घटनाएं हो रही हैं, मगर इस पर पूरी दुनिया में कठोर निंदा का सिलसिला तब शुरू हुआ, जब दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाने का वीडियो प्रसारित हुआ। इस तरह मणिपुर में चल रही सामुदायिक हिंसा को कई लोगों ने उस वीडियो तक सीमित कर दिया है, जबकि पूरी हिंसा को लेकर ढेर सारे सवाल हैं। अब अनेक तथ्य प्रकट हैं, जिनसे राज्य सरकार की शह और केंद्र सरकार की उदासीनता उजागर होती है। शस्त्रागार से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस आदि लूट लिया जाना और सरकारों का इस पर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहना कई सवाल खड़े करता है। विपक्षी दलों ने इन तमाम सवालों को लेकर संसद में जवाब मांगा है, उनके प्रतिनिधि मणिपुर हो आए हैं। अब सर्वोच्च न्यायालय ने जो सवाल पूछे हैं और उच्चाधिकार प्राप्त समिति से इन घटनाओं से संबंधित जांचों पर निगरानी रखने की बात कही है, उससे राज्य सरकार की लापरवाहियों, पक्षपात और हिंसा को नजरअंदाज करने के तथ्य और स्पष्ट हो सकेंगे। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

तस्करी...

रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो जाने वाले बच्चों का सवाल किसी रपट के जरिए सामने आने के बाद सुर्खियों में आता है, पर कुछ समय बाद फिर सब पहले की तरह शांत हो जाता है। विडंबना यह है कि इस समस्या की गंभीरता के मद्देनजर सरकारों की ओर से हर स्तर पर तंत्र को सक्रिय करने और बच्चों की तस्करी पर काबू पाने का भरोसा दिया जाता है, लेकिन कुछ समय बाद आने वाली कोई रिपोर्ट यही बताती है कि इस मोर्चे पर पर्याप्त संवेदनशील तरीके से काम नहीं किया गया। गौरतलब है कि बच्चों की समस्याओं पर काम करने वाली एक संस्था की ओर से रविवार को जारी रिपोर्ट में फिर से बाल तस्करी की चिंताजनक तस्वीर सामने रखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2016 से 2022 के बीच देश भर में बहुत सारे बच्चे गायब हुए, लेकिन इसी दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश में बच्चों की तस्करी के सबसे अधिक मामले सामने आए। हालांकि देश की राजधानी दिल्ली में भी हालत बेहद अफसोसनाक रही, जहां बाल तस्करी के मामलों में अड़सठ फीसद की बढ़ोतरी देखी गई। सवाल है कि एक तरफ देश भर में राज्य सरकारें हर स्तर पर बेहतर सुशासन, नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा आदि का आश्वासन देती रहती हैं, लेकिन क्या उन पर उतनी ही संवेदनशीलता से अमल करने को लेकर भी वे गंभीर रहती हैं? आखिर बच्चों की तस्करी के अमानवीय कारोबार में लगे लोगों या गिरोहों को किसी बच्चे को गायब करने या खोए हुए बच्चों को उठा कर कहीं बेच देने की हिम्मत कहां से आती है? अगर अपराध के खिलाफ तंत्र की सक्रियता और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम हों तो क्या बाल तस्करों को इतने व्यापक पैमाने पर अपनी साजिशों को अंजाम देने का मौका मिल पाएगा? विडंबना है कि शहरों-महानगरों में चल रही कुछ औद्योगिक इकाइयों में कई बार तेरह से अठारह वर्ष के बीच के बच्चों से काम कराया जाता है लेकिन सभी कारखानों और उसकी समूची संरचना को जांच के दायरे में मानने वाले सरकारी तंत्र को बाल मजदूरी और तस्करी के पहलू पर गंभीरता से काम करने की जरूरत नहीं लगती है! आखिर वे कौन-सी वजहें हैं कि ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, न केवल जयपुर शहर को देश में बाल तस्करी के मुख्य केंद्र के रूप में दर्ज किया गया, बल्कि देश की राजधानी दिल्ली में भी कई स्थानों को इसी कोटि में पाया गया। जबकि माना जाता है कि मुख्य शहरों में कानून-व्यवस्था देश के बाकी हिस्सों के मुकाबले ज्यादा बेहतर होगी और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई भी होती होगी! हालांकि बच्चों के जीवन पर जोखिम के मसले पर काम करने वाले स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से इसी अवधि में साढ़े तेरह हजार से ज्यादा बच्चों को बचाया भी गया। फिर सरकार की ओर से भी कई सकारात्मक कदम उठाए गए। लेकिन एक पहलू यह भी है कि एक ओर पुलिस-प्रशासन की चौकसी और आधुनिक तकनीकी के उपयोग के जरिए हर स्तर पर आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी रखने और लगाम लगाने का दावा किया जाता है, दूसरी ओर जघन्य अपराध तक बदस्तूर जारी रहते हैं। इसकी बस कल्पना ही की जा सकती है कि जो बच्चे लापता हो जाते हैं, उनके घर में मां-पिता या परिवार के अन्य सदस्यों की हालत क्या होती होगी! इससे इतर, गायब हो गए बच्चों को किस त्रासदी से गुजरना पड़ता होगा, यह समझना मुश्किल नहीं है। खासतौर पर जो बच्चियां तस्करों के हाथ लग जाती हैं, उन्हें घरेलू काम में लगाने से लेकर यौन शोषण और देह-व्यापार के भयावह दलदल में भी धकेल दिया जाता है।

शरीर को नहीं आत्मा को संवारलो परमात्मा मिल जाएंगेः साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नाई। मनुष्य शरीर को संवारता है, आत्मा को नही । बुधवार साहूकार पेठ के मरूधर केसरी दरबार मे महासाध्वी धर्मप्रभा ने श्रध्दालुओं को धर्म उपदेश देतें हुए कहा कि मानव जीवन बार -बार नही मिलता है। लेकिन मनुष्य खाना-पीना ओर दौलत कमाने को ही जिंदगी का सुख समझकर आत्मा के सुख को भुल गया है। इंसान मेहनत करता है, परन्तु आत्मा के लिये नही करता है। मनुष्य के पास समय कम है। लेकिन मनुष्य कि इच्छाएं ओर लालसाएं कम नही होती है बल्कि बढ़ती ही जाती है, इस संसार मे अब ऐसा कौई प्राणी पैदा नही हुआ जो मरने के बाद भी अपने साथ धन दौलत शोहरत को लेकर गया हो। इंसान दुनिया मे खाली हांथ आया था ओर खाली हांथ ही संसार से जाने वाला है। समय रहते मनुष्य समय को साध लेगा तो आत्मा को संवार सकता है । वरना अंत समय मे उसे पछताना पड़ेगा। क्योंकि मनुष्य भव बार - बार नही मिलने वाला है। आत्मा को सुख तभी मिल सकता है जब मनुष्य आत्मा को पहचान कर परमार्थ करेगा तभी आत्मा का उत्थान संसार से करवा सकता है । मनुष्य काया ओर माया के चक्कर मे अपनी इस आत्मा को भूल गया है। सांसारिक वस्तुओं से आत्मा को सुख की प्राप्ति नही होने वाली है । व्यक्ति कि पहचान नाम और धन दौलत से नही होती है। मनुष्य कि जब तक सांसे चल रही है तब तक उसके सगे संबंधी नाम से पहचानते है । वरना मरने बाद तो मुर्दे के नाम से बुलाते है। अकेले ही आया था अकेला ही जाएगा। श्मशान तक छोड़ने तक ही सगे संबंधियों का रिश्ता रखते है। आत्मा से जुड़े हुए रहोगे तभी पहचान बना पाओगे । वरना इस संसार मे भटक जाओगे। संसार मे असंख्य व्यक्ति जन्म लेते है लेकिन दुनिया उन्हें ही याद करती है जो संसार मे कुछ करके जाते है। इसदौरान धर्मसभा में उपवास आयंबिल ओर अनेक बहनों ने एकासन व्रत के साध्वी धर्मप्रभा से प्रत्याख्यान लिए। राजस्थान, महाराष्ट्र आदि प्रांतों के साथ चैन्नाई के उपनगरों से पधारे अतिथीयो का श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, सज्जनराज सुराणा, सुरेश डूगरवाल, हस्ती मल खटोड़, बादलचन्द कोठारी, जितेन्द्र भंडारी, तारेश बेताला, शम्भूसिंह कावड़िया, संजय खाबिया, अशोक सिसोदिया, ज्ञानचन्द चौरड़िया आदि सभी ने अतिथीयो का सम्मान किया ।

जिसने जन्म लिया उसका मरण निश्चितः मुनि शुद्ध सागर

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे बुधवार को बिचला जैन मंदिर के सुपाश्वनाथ मंदिर मे मुनि शुद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य मे श्रावण माह के चलते विशेष वृहद शांतिधारा आयोजित की गई। चातुर्मास कमेटी के प्रवत्ता राकेश संघी ने बताया कि शांतिधारा से पूर्व महेन्द्र संघी त्रिलोक पाण्डया पुनित संघी दिनेश जैन द्वारा चारो दिशाओ से भगवान सुपार्श्वनाथ का कलशाभिषेक किया गया तत्पश्चात विश्व मे शांति के लिए मुनि शुद्ध सागर महाराज के श्री मुख से शांतिधारा करवाई गई। बाद मे मुलनायक सुपार्श्वनाथ की संगीतमय विशेष पूजा अर्चना हुई। इस अवसर पर चर्या शिरोमणी आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि शुद्ध सागर जी महाराज ने शांतिनाथ भवन मे धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शांति के बिना केवलज्ञान नही हो सकता। मुनि श्री ने कहा क्रोध लोभ मान चिंता चिता समान है। इसलिए चिंता नहीं चिंतन करो तब शांति मिलेगी। इस मनुष्य जीवन मे सन्तोषी जीव परम सुखी है। मुनि शुद्ध सागर जी महाराज ने जीवन का सूत्र बताते हुए कहा कि खुद शांति से रहे ओर दूसरों को भी शांति से रहने दो। उन्होंने कहा कि तीन रत्नों की जहां आराधना होती है वह जिनशासन है। जैन धर्म का सिद्धान्त अनेकान्त व स्यादवाद है जिसने रत्नत्रय की आराधना की वह मोक्ष चले गए। उन्होंने कहा कि जिसने जन्म लिया है उसका मरण निश्चित है। इसलिए अपने अन्दर की आत्मा को पहचान कर अपना मरण सुधारले।संघी ने बताया कि प्रवचन के बाद सकल दिगम्बर जैन समाज निवाई द्वारा आचार्य गुरूवर विशुद्ध सागर महाराज व मुनि शुद्ध सागर जी महाराज का संगीतमय जयकारो के साथ अर्घ चढाया गया। प्रवचन से पूर्व मंगलाचरण नवरत्न टौग्या ने किया। आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीपप्रजवलन शिखर चन्द काला पदम चन्द पराणा त्रिलोक रजवास द्धारा किया गया।मंच संचालन ज्ञान चन्द सौगानी ने किया।

जिनवाणी श्रवण करते समय शुद्ध रखें मन की भावनाः इन्दुप्रभाजी म.सा.

आत्मिक सुखों के समक्ष सांसारिक सुखों का कोई मोल नहीं: दर्शनप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। प्रवचन के माध्यम से जीवन पवित्र व निर्मल बनाने की बातों का श्रवण हो रहा है। जिनवाणी श्रवण करते रहने से भी कल्याण होता है। हमेशा अपने भावों को शुद्ध रखना चाहिए। शुद्ध भाव से जिनवाणी श्रवण करने से समकित को प्राप्त किया जा सकता है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में बुधवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि श्रवण करना भी एक कला है। इसके माध्यम से कर्म निर्जरा की जा सकती है। जो जिनवाणी सुनने नहीं आ रहे उन्हें भी प्रेरणा देनी चाहिए। साध्वीश्री ने जैन रामायण के विभिन्न प्रसंगों का वाचन करते हुए बताया कि किस तरह अंजना पवनजय से शादी करके ससुराल आती है तो सासुजी 500गांवों का कर उस अधिकार में देती है। अंजना सबको अच्छी लगती है पर पतिदेव को अच्छी नहीं लगती। अंजना समझ नहीं पाती है कि उसकी गलती क्या है जो पतिदेव उसे नहीं चाहते है। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि किसी की दीक्षा भावना बन जाए ओर हम उसे ताने मार हतोत्साहित करे तो भंयकर कर्म बंध करते है। अन्तराय कर्म का बंध होने पर वह कभी हमारा पीछा नहीं छोड़ते है। जैसे कर्म बांधेंगे वैसे भोगने ही पड़ेंगे। उन्होंनें कहा कि आत्मिक सुखों के समक्ष सांसारिक सुखों का कोई मोल नहीं है। माला जपने से नकारात्मक उर्जा दूर होकर सकारात्मक एनर्जी प्राप्त होती है। संसार में वैभव वाले को नहीं त्याग वाले को भी प्रणाम किया जाता है। साध्वीश्री ने कहा कि बच्चों स्वधर्मी बनाए रखना है तो अपने धर्म से जोड़ उसके प्रति गौरव की अनुभूति करानी होगी। धर्म से जुड़ाव के चलते दो-

तीन वर्ष के बच्चें द्रव्य मर्यादा तप कर रहे लेकिन 12-13 वर्ष के बच्चों के माता-पिता हिचक रहे ओर अन्तराय दे रहे है। केवल धर्म व कर्म ही हमारे साथ जाएंगे बाकी सब यहीं रह जाएंगे। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि माला फेरते समय दिशाओं का भी बड़ा महत्व है। सुबह उठते ही कांटे वाले जगह नहीं देखनी चाहिए।

प्रताप नगर में योग शिविर 5 व 6 अगस्त को

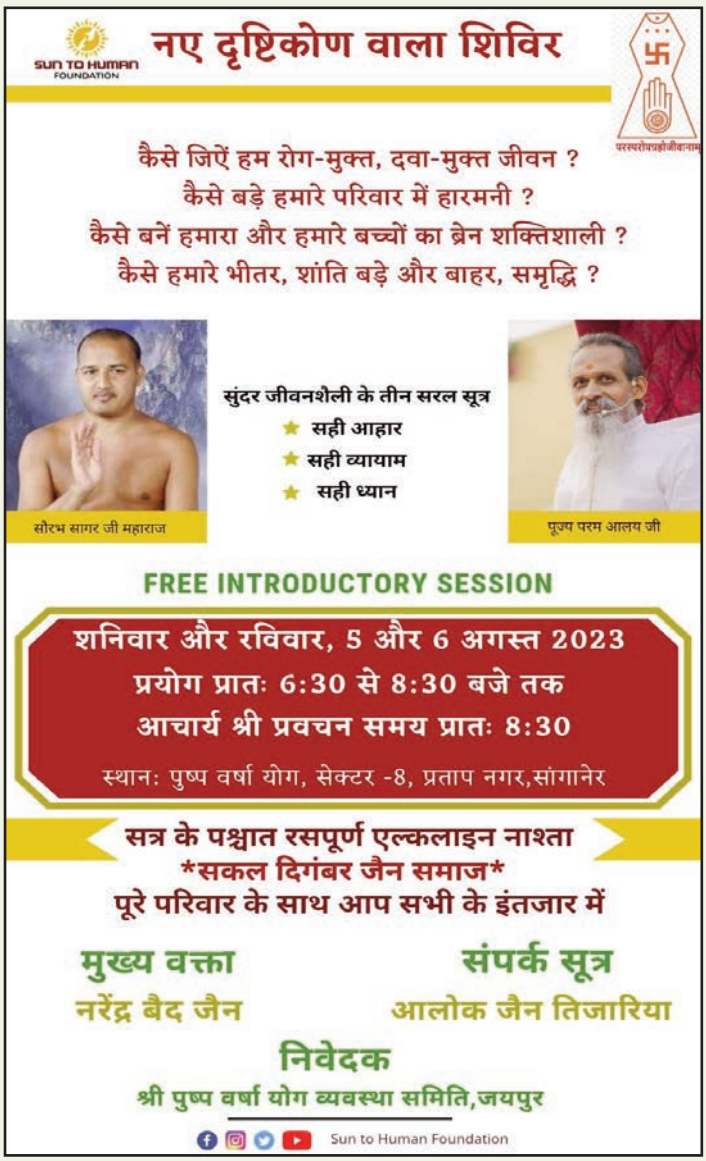

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्वस्थ्य जीवन निरोग जीवन, कैसे रहे हम रोगमुक्त, कैसे रहे दवा से मुक्त, कैसे बड़े हमारे परिवार की शक्ति, कैसे बड़े हमारे बच्चों की सोचने समझने की शक्ति,आइए बनाए योग से निरोग शरीर को। शनिवार 5 अगस्त व रविवार 6 अगस्त 2023 को प्रातः 6.30 से 8.30 तक मुख्य पंडाल स्थल, श्री पुष्प वर्षा योग सेक्टर 8 प्रताप नगर में संस्कार प्रणेता ज्ञानयोगी जीवन आशा हॉस्पिटल प्रेरणा स्रोत आचार्य श्री 108 सौरभ सागर जी मुनिराज के मंगल सानिध्य में व नरेंद्र जैन और आलोक जैन तिजारिया के मुख्य निर्देशन में योग शिविर में सपरिवार इष्ट मित्रों सहित पधारें और अपनी जीवन शैली को बदलकर अपने आप को बदलें।

दो दिवसीय बंधन राखी व लाइफस्टाइल एक्जीविशन आज व कल...

जयपुर. शाबाश इंडिया। बंधन ग्रुप की ओर से नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नाशिया में आज 3 व कल 4 अगस्त को दो दिवसीय राखी व लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। ये जानकारी देते हुए बंधन ग्रुप की सेफाली जैन ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य महिला गृह उद्यमियों को बढ़ावा देना और एक मंच प्रदान करना है। इस प्रदर्शनी में गृह सज्जा , राखी,टेरों कार्ड रीडिंग, कपड़े आदि होंगे।इस प्रदर्शनी का उदघाटन प्रख्यात समाजसेवी वीरेंद्र कुमार सेठी व कल्पना बगड़ा के करकमलों द्वारा किया जाएगा। प्रदर्शिनी का समय सुबह 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक रहेगा। दुसरे चरण में ये प्रदर्शनी 11 और 12 अगस्त को जैन मंदिर गायत्री नगर और तीसरे चरण में 18 और 19 अगस्त को मालवीय नगर जैन मंदिर में लगाई जाएगी।

जैन राजनैतिक चेतना मंच मध्य प्रदेश का प्रांतीय अधिवेशन 6 अगस्त को इंदौर में होगा

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। जैन राजनैतिक चेतना मंच मध्य प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर का प्रांतीय अधिवेशन रविवार 6 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे रवींद्र नाट्यग्रह आरएनटी मार्ग इंदौर में संपन्न होगा जिसमें मंच के राष्ट्रीय पदाधिकारियों सहित प्रदेश भर से मंच के पदाधिकारी एवं प्रदेश के विभिन्न प्रांतों के जैन राजनैतिक नेता मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक एवं सांसद सहित लगभग 2000 सदस्य सम्मिलित होंगे। मुख्य अतिथि जैन इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष घेवरचंद वोहरा मुंबई, विशिष्ट अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य होंगे। अध्यक्षता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज गंगवाल दिल्ली करेंगे। यह जानकारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष काला भोपाल, कार्याध्यक्ष हंसमुख गांधी, अतिरिक्त महामंत्री प्रदीप गंगवाल एवं मंच के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने देते हुए बताया कि अधिवेशन में आगामी विधानसभा, लोकसभा एवं स्थानीय निकायों के चुनाव में अधिक से अधिक प्रत्याशियों को टिकट दिलाने से लेकर जिताने तक की योजना पर मंथन होगा एवं युवाओं में राजनैतिक चेतना उत्पन्न करने के साथ उन्हें राजनीति में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने आदि विषयों पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। अधिवेशन के दो सत्र होंगे । प्रातः 10:00 बजे उद्घाटन सत्र एवं दोपहर 3:00 से द्वितीय सत्र होगा जिसमें देश प्रदेश के विभिन्न शहरों एवं प्रांतों से आए जैन राजनैतिक नेता, मंत्री, सांसद, विधायक एवं पूर्व विधायक सम्मिलित होंगे एवं अपना मार्गदर्शन देंगे।

JAIN RAJNAITIK CHETNA MANCH
जैन समाज की एकमात्र राजनैतिक संस्था
जैन राजनैतिक चेतना मंच

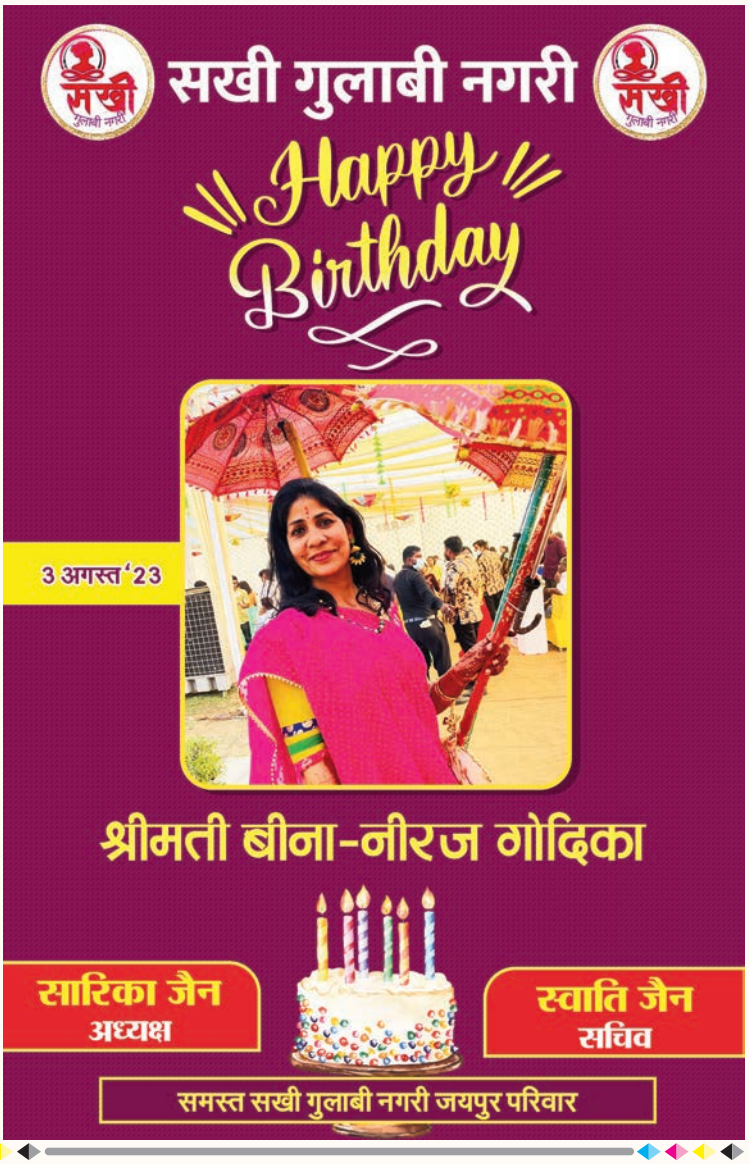

सुपार्श्वनाथ जागृति मंच की नई कार्यकारणी का गठन

मनीष शाह अध्यक्ष, सचिव विजय काला

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । धर्म प्रभावना , समाजसेवा सहित मंदिर विकास में नई उचाईयो को हासिल करने के उद्देश्य से सुपार्श्वनाथ जागृति मंच की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष मनीष शाह, सचिव विजय काला, कोषाध्यक्ष सुनील टोंगिया, प्रचार-प्रसार मंत्री सुमित पाटनी एवं नीरज शाह एवं जयवंती अजमेरा, नीरू अजमेरा, संजय छाबड़ा, पारस शाह, अमित विनायका, अमित बड़जात्या, मनीषा शाह, अंकिता पाटोदी, संदीप छाबड़ा, राजेश गदिया, संदीप बाकलीवाल, राजेंद्र बगड़ा सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए। नई कार्यकारिणी को विटी इंटरनेशनल स्कूल में पूर्व कअर अधिकारी निर्मल कुमार ठग द्वारा शपथ दिलाई । कार्यक्रम का संचालन जयवंती अजमेरा और नीरू अजमेरा द्वारा किया गया। पूर्व अध्यक्ष सुमति कुमार अजमेरा ने सभी का धन्यवाद प्रेषित किया । कार्यक्रम में मंच के वरिष्ठ संरक्षक और विशिष्ठ जन तिलोक चंद छाबड़ा, सुरेंद्र छाबड़ा, राजकुमार चौधरी , प्रवीण चौधरी , जयकुमार पाटनी, राकेश पाटनी, निर्मल सरावगी, प्रकाश गंगवाल, नरेश गोधा अजय बाकलीवाल, सुभाष हुमड़, निश्चल जैन आदि उपस्थित थे ।

अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ की 'मुनि-आर्यिका' दर्शन यात्रा 6 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजधानी में चल रहे चतुर्मासों को लेकर अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ मानसरोवर संभाग द्वारा रविवार 6 अगस्त को ''मुनि - आर्यिका'' दर्शन यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालु शहर में चल रहे सभी चातुर्मास स्थलों पर विराजमान संतो के दर्शन करेंगे। यात्रा रविवार को प्रातः 7 बजे वरुण पथ, मानसरोवर दिगंबर जैन मंदिर से प्रारंभ होगी। मानसरोवर संभाग अध्यक्ष कुलदीप छाबड़ा ने बताया कि रविवार को वरुण पथ से प्रारंभ यात्रा सर्व प्रथम मीरा मार्ग दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे मुनि संघ के दर्शन करेंगे और मीरा मार्ग से अधिकृत यात्रा का शुभारंभ होगा। इसके पश्चात यात्रा बरकत नगर में विराजमान आचार्य नवीन नंदी महाराज, जनकपुरी में विराजमान आचार्य विशेषमती माताजी, आमेर में विराजमान उपाध्यक्ष उर्जयंत सागर महाराज के दर्शन करते हुए यात्रा अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा में विराजमान आचार्य चैत्य सागर महाराज, बिलवा में विराजमान आर्यिका नंगमती माताजी, श्योपुर रोड़ में विराजमान आचार्य विनीत सागर महाराज के दर्शन करते हुए यात्रा प्रताप नगर सेक्टर 8 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचेगी जहां पर विराजमान आचार्य सौरभ सागर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और सामूहिक आरती कर यात्रा संपन्न होगी। इस यात्रा के लिए सुदर्शन पाटनी और रवि जैन को संयोजक बनाया गया है साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू, प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद बाकलीवाल, राकेश छाबड़ा, शशांक जैन, हर्षित गोधा, नरेश शाह, अमित जैन, हर्षित जैन, प्रियंका अजमेरा, संगीता काला, प्रिया बाकलीवाल, अंकिता जैन, महामंत्री अनुज गंगवाल, शिखा जैन सहित संगठन से जुड़े सभी युवा और बड़े - बुजुर्ग शामिल होगे।

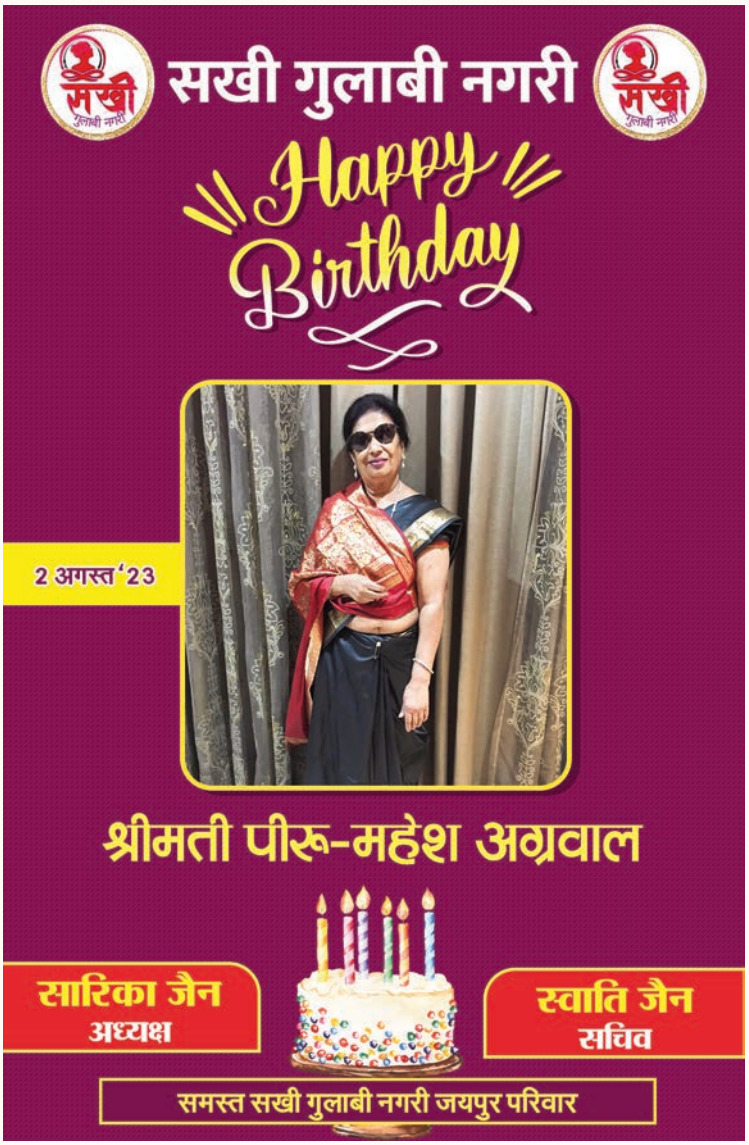

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक एवम संगिनी फॉरएवर के सदस्यों द्वारा तीर्थ दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक एवं संगिनी फॉरएवर के सदस्यों द्वारा पांच तीर्थंकरों भगवान ऋषभ देव जी, अजितनाथ जी, सुमति नाथ जी, अनंत नाथ जी, अभिनंदन नाथ जी की अयोध्या स्थित जन्म स्थली के दर्शन, पूजन वंदन कर धर्म लाभ प्राप्त किया। अयोध्या स्थित भगवान ऋषभ देव मंदिर में परम पूज्य गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी का भी आशीर्वाद प्राप्त किया। ग्रुप सदस्यों द्वारा भगवान धर्मनाथ जी जन्मस्थली रत्नपुरी, संभव नाथ भगवान की जन्मस्थली श्रावस्ती, पार्श्वनाथ भगवान, सुपार्श्वनाथ भगवान, श्रेयांस नाथ, चंद्र प्रभु भगवान जन्मस्थली वाराणसी के दर्शन भी किये।

राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था (रूवा) को आवंटित महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र क्रमशः पुलिस थाना आदर्श नगर व पुलिस थाना अशोक नगर का शुभारम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था, रूवा को महिला अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा दो महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र क्रमशः पुलिस थाना आदर्श नगर (जयपुर) व पुलिस थाना अशोक नगर (दक्षिण) आवंटित किये गये है। पुलिस थाना आदर्श नगर में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र का उद्घाटन 31 जुलाई को प्रो. पवन सुराणा, पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य महिला आयोग, जयपुर व पुलिस थाना अशोक नगर में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र का उद्घाटन 1 अगस्त को प्रो. लाड़कुमारी जैन, पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य महिला आयोग द्वारा किया गया। डॉ. शशिलता पुरी, अध्यक्ष, रूवा द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों व थानाधिकारियों का स्वागत किया गया।

महावीर कॉलेज में नये सत्र 2023 का 'आरंभ'

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर कॉलेज में बुधवार दिनांक 2 अगस्त 2023 को महावीर सभागार में ओरिएंटेशन प्रोग्राम ''आरंभ'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संदीप जैन (जी बिजनेस), महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, कोषाध्यक्ष महेश काला ,संयुक्त मंत्री कमलबाबू जैन, कॉलेज कन्वीनर सी ए प्रमोद पाटनी, अमला बत्रा एवं शिक्षा परिषद के अन्य गणमान्य सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। मुख्य अतिथि संदीप जैन (जी बिजनेस) का स्वागत तिलक लगाकर, माला एवं शॉल पहनाकर कर किया गया। कॉलेज कन्वीनर सी ए प्रमोद पाटनी ने अपने उदबोधन से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया एवं उन्हें आगे बढने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज प्राचार्य डा. आशीष गुप्ता ने नये विद्यार्थियों को अनुशासन का महत्व समझाते हुए महाविद्यालय की उपलब्धियों, शैक्षणिक गतिविधियों, परिसर, समस्त स्टाफ तथा कॉलेज के विभिन्न क्लब्स जैसे टैक्नो, स्पोर्टस, कल्चरल लिटरेरी और कॉर्पोरेट रिसोर्स सैल से अवगत कराया एवं उन्हें इन क्लबस की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि संदीप जैन ने हेल्थ, वेल्थ, विजडम को आधारभूत मानकर विद्यार्थियो को जीवन में पढ़ाई के साथ साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए एवं प्रतिदिन कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी ने नव आगंतुक विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी एवं उन्हें आगामी तीन वर्षों का भरपूर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पंचक क्या हैं और क्यों लगते हैं: ज्योतिषाचार्य हुकुमचंद जैन

शाबाश इंडिया

यू तो पंचक हर माह पांच दिनों के लिए लगते है सोमवार,बुधवार,गुरुवार को प्रारंभ होने वाले पंचक शुभ फल देने वाले होते हैं। पंचक बार और नक्षत्र के अनुसार फल तो करते ही हैं व्यापारिक वस्तुओ को भी अच्छा खासा तेजी मंदी का अनुमान पूरे माह के लिए कराते हैं। अगस्त माह में 02 अगस्त बुधवार की रात्रि 23:25 बजे से पंचक प्रारंभ होंगे जो 07 अगस्त रात्रि 01:43 बजे तक रहेंगी।

आईए जानते है पंचक क्या है और क्यों लगता है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चन्द्र ग्रह का धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण और शतभिषा, पूवार्भाद्रपद, उत्तराभाद्रपद तथा रेवती नक्षत्र के चारों चरणों में भ्रमण काल पंचक काल कहलाता है। इस तरह चन्द्र ग्रह का कुम्भ और मीन राशी में भ्रमण पंचकों को जन्म देता है। अर्थात पंचक के अंतर्गत धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तरा भाद्रपद, पूर्वा भाद्रपद व रेवती नक्षत्र आते हैं। इन्हीं नक्षत्रों के मेल

से बनने वाले विशेष योग को 'पंचक' कहा जाता है। रविवार के दिन पंचक प्रारंभ हो तो रोग पंचक कहलाते है इन पंचकों के समय में कोई शुभ मांगलिक कार्य करे तो शारीरिक, मानसिक परेशानी होती है। सोमवार के दिन पंचक प्रारंभ हो तो उन्हे राज पंचक कहते है। इन पंचक के समय में सरकारी कार्य, नौकरी,संपत्ति से जुड़े कार्य करना चाहिए सफलता मिलेगी। मंगलवार के दिन पंचक प्रारंभ हो तो उन्हे अग्नि पंचक कहते है। इन पंचकों में निर्माण कार्य, मशीनरी कार्य,करने से दुर्घटना की संभावना रहती है। कोर्ट,कचहरी,विवाद के अहम फैसले करना चाहिए। शुक्रवार के दिन पंचक प्रारंभ हो तो उन्हे चोर पंचक कहते हैं। इन पंचकों में यात्रा करने में धन चोरी, जेब कटना,व्यापार आरंभ करने लेनदेन में धन की भूल या चोरी का अंदेशा रहता है। शनिवार के दिन पंचक प्रारंभ हो तो उन्हे मृत्यु पंचक कहते हैं। इनमे निर्माण कार्य या बड़ा लंबे समय तक चलने बाला कार्य में दुर्घटनाएं या कष्ट रहने की संभावना रहती है। बुधवार,गुरुवार को और सोमवार को पंचक प्रारंभ हो तो शुभ कहलाते है।

पंचक के नक्षत्रों का प्रभाव

1. धनिष्ठा नक्षत्र में अग्नि का भय रहता है।
2. शतभिषा नक्षत्र में कलह होने की संभावना रहती है।
3. पूवार्भाद्रपद नक्षत्र में रोग बढ़ने की संभावना रहती है।
4. उतरा भाद्रपद में धन के रूप में दंड होता है।
5. रेवती नक्षत्र में धन हानि की संभावना रहती है।

पंचकों में किन कार्यों को आरंभ करने से बचना चाहिए

1.लकड़ी एकत्र करना या खरीदना।
2. मकान पर छत डलवाना।
3. शव जलाना।
4. पलंग या चारपाई बनवाना और दक्षिण दिशा की ओर यात्रा करना। ये पांच कार्य करने से बचना चाहिए अगर करना ही आवश्यक हो तो किसी विद्वान, ज्योतिष से सलाह लेकर उनके परिहार करते हुए उन्होंने संपन्न करना चाहिए।

संकलन : मनोज नायक

जैन श्वेतांबर महिलाओं ने मनाया सावन उत्सव

उदयपुर. शाबाश इंडिया। पिछले कई दिनों से लेकसिटी के आसमान पर पनीले बादलों का डेरा जमा हुआ है, रह रह कर बरसती फुहारों से भीगे शहर ने चहुंदिस धानी चुनर ओढ़ ली है। अरावली पर्वतमाला की गोद से कई जगह गिरते पानी के झरनों का नाद राह चलते मुसाफिरों के कदम थाम लेते हैं। सावन महीने की इसी रंगत का लुत्फ उठाने बुधवार को श्री महावीर जैन श्वेताम्बर महिला मण्डल सेक्टर - 14 की सदस्याओं ने सावन उत्सव का आरम्भ नवकार महामंत्र के जाप से किया। इसके बाद मण्डल अध्यक्ष उषा लोढ़ा ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। इस खास अवसर पर सभी सदस्याएं रंग-बिरंगे लहर पहनकर उपस्थित हुईं जो सावन माह की मस्ती को सार्थक कर रही थीं। सचिव कुसुम इंटोदिया ने बताया कि कार्यक्रम में सावन थीम पर तम्बोला सहित अन्य कई गेम्स में सदस्याओं ने भागीदारी निभाई वहीं कुछ ने सावन गीत गाए और डांस भी किया। कार्यक्रम में मंजू सिंयाल, प्रतिभा चौधरी, विमला चौधरी, करूण डूंगरवाल, अनिता नाहर, मंजू सिसोदिया, साधना लोढ़ा, निधि, सपना नाहर, स्वीटी छाजेड़, मधु जारोली, अनिता जैन, चन्द्रकला मोदी, प्रेमलता मेहता, अर्चना, उर्मिला कावड़िया, मोनिका कोठारी सहित अन्य कई सदस्याएं मौजूद थीं। **रिपोर्ट : पवन खाब्या**

तीर्थों की बंदना करने से आत्मशांति मिलती है: आचार्य ज्ञेयसागर

ज्ञानतीर्थ पर बताया तीर्थ वंदना का महत्व

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना । भारतीय संस्कृति में तीर्थ यात्रा का विशेष महत्व है। तीर्थ क्षेत्रों की वंदना व दर्शन करने से पुण्य का आश्रव व पापों का क्षय होता है। तीर्थ क्षेत्रों का कण कण पवित्र होता है । तीर्थ क्षेत्रों पर जाने से, वहां की बंदना, दर्शन, पूजन करने से आत्म शांति मिलती है, मन के विकार दूर होते हैं, मन निर्मल होता है। उक्त विचार सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज ने ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर में श्री जिनेन्द्र प्रभु अभिषेक,एवम शांतिधारा के अवसर पर व्यक्त किए। जैन दर्शन में सिद्ध भूमि की वंदना विशेष फलदाई होती है । जहां से मुनिराज अष्ट कर्मों को नष्ट कर सिद्ध पद को प्राप्त करते हैं । ऊर्ध्व लोक (सिद्धालय) में उनका वहीं स्थान होता है और उस क्षेत्र पर उनकी पुण्य वर्गणाए विद्यमान रहती हैं । जैन आगम के अनुसार तीर्थंकर भगवन्तो की जन्म स्थली अयोध्या जी व तीर्थंकर भगवन्तों की निर्वाण स्थली सम्मेद शिखर जी दोनों को ही शाश्वत तीर्थ माना गया है । हर चतुर्थ काल में तीर्थंकर अयोध्या जी में ही जन्म लेते हैं और सम्मेद शिखरजी से निर्वाण को प्राप्त होते हैं । वर्तमान हुण्डासर्पिणी काल के प्रभाव से वर्तमान चौबीसी के कुछ तीर्थंकरों ने अन्य स्थानों से जन्म लिया और अन्य स्थानों से निर्वाण को प्राप्त हुए । शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी से तो अनंत तीर्थंकर निर्वाण को प्राप्त हुए हैं एवं अनन्तानंत मुनियों ने सिद्ध पद प्राप्त किया है। इस कारण सम्मेद शिखरजी का तो कण-कण पवित्र है । हमें जीवन में कम से कम एक बार तो इस शाश्वत तीर्थ की वंदना अवश्य करना चाहिए । किसी ने कहा है कि ''भाव सहित वन्दे जो कोई, ताहि नरक पशु गति ना होई'' । अतः हमें जब भी शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी की यात्रा करने का अवसर मिले तो उसे छोड़ना नहीं चाहिए । जैन कुल में जन्म लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कम से कम एकबार श्री सम्मेद शिखर जी की बंदना अवश्य करना चाहिए।

साधु सेवा ट्रस्ट का अजमेर नगर मे शंखनाद

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। परम पूज्य आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज के शुभाशीष से सुयोग्य शिष्य युगल मुनिराज श्री श्रद्धानंदजी व पवित्रानंद जी महाराज की सत्प्रेरणा से स्थापित साधु सेवा ट्रस्ट की पत्रिका का विमोचन बुधवार को परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विवेकसागर जी महाराज ससंघ सानिध्य मे अजमेर के 'आदिनाथ निलय' पंचायत छोटा धडा.नसियां मे आयोजित किया गया जिसमे मुख्य अतिथि अजमेर सेंट्रल जेल अधीक्षक सुमन जी व नगर निगम उपमहापौर नीरज जैन व दि. जैन समाज के गणमान्य बंधु पवन बढारी, मनोज कोलानायक, सुशील बाकलीवाल, कमल लुहाड़िया, हेमंत पांड्या, वीरेंद्र ठकुरिया, विनीत साहबजाज, दिनेश पाटनी, नितिन दोसी, मिश्रीलाल गदिया, अतुल पाटनी राहुल पचगइया, अशोक जैन एडवोकेट, रुपेश दनगसिया, विनय पाटनी, प्रकाश पाटनी, राजेश गदिया, अनिल गदिया, हेमेन्द्र बढाड़ी, गुलजारीलाल साहबजाज, राकेश नायक, विनीत कोठारी, नरेन्द्र गोधा, मनीष साहबजाज, अमित चड़ौसियां व मातृ शक्ति की गरिमामयी उपस्थिति मे हुआ।

सेवा और भक्ति मे स्वार्थ नही होगा,तभी सुफल प्राप्त होगाः साध्वी प्रितीसुधा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । सेवा वही व्यक्ति कर सकता है जिससे स्वार्थ की भावना नहीं छुपी होगी ।बुधवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे साध्वी प्रितीसुधा ने सैकड़ों श्रध्दालुओं को प्रवचन में धर्मसंदेश देतें हुए कहा कि आज मनुष्य भगवान की भक्ति भी करता है तो ईश्वर से कुछ प्राप्त करने केलिए। चाहे भक्ति हो या सेवा निस्वार्थ भावों से करोगे तभी फल मिलेगा। परमात्मा के प्रति निष्काम प्रेम ही सच्ची सेवा भक्ति है। सेवा मे समर्पण नही होगा तो.वह सेवा नही कहलाती है । समर्पित भाव से की जाने वाली सेवा कभी निष्फल नहीं जाती है। सेवा सभी करो मगर आशा किसी से मत रखना क्योंकि सेवा का फल भगवान ही दे सकता है इंसान नही दे पाएगा। साध्वी संयम सुधा ने कहा कि सेवा कामयाबी का मूल मंत्र है जो मानव को सच्चा मानव बना सकती है अगर सेवा निस्वार्थ भाव से करोगे तभी जीवन मे सफलता मिलेगी। धर्म सभा मे चितौड़,पाली, जौधपुर और शहर के कही उपनगरों के श्रध्दालुओं की उपस्थिति रही । अहिंसा भवन शास्त्री नगर जैन संघ मुख्य मार्गदर्शक अशोक पोखरना एवं अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रमण संघ के दित्तीय पटट्धर आचार्य सम्राट आनन्द ऋषि जी महाराज की एक सौं चौबीसवीं जन्म जयंती अहिंसा भवन के तत्वावधान मे साध्वी प्रितीसुधा के सानिध्य मे आयंबिल तप और गुणगान के साथ 17 अगस्त को मनाई जायेगी । आचार्य आनन्द ऋषि की जन्म जयंती कार्यक्रम मे जैन कॉन्फ्रेंस और किसी की भी संस्था कि भूमिका नही रहेगी । जन्मजयंती शहर के अलग अलग जैन स्थानकों मे उन्ही की भूमिका और तत्वावधान मे मनाई जाएगी। अहिंसा भवन मे जन्म जयंती पर आयंबिल तप करने.वाले सभी तपस्वियाओ को अंजना ओमप्रकाश सिसोदिया की ओर भोजन व्यवस्था तथा प्रभावना उमा हेमन्त आंचलिया की ओर प्रभावना दी जाएगी ।